Publication: **Dainik Jagran**	Date : **11.09.2011**	Subject: **46th Martyrdom day of Shaheed Abdul Hameed**

पुण्य तिथि : **धामूपुर में वीर सपूत अब्दुल हमीद को किया गया नमन**

यादगार बना शहादत दिवस

◆ **स्वार्थ के लिए लाशों पर कर रहे सियासत : बिट्टा**

जखनियां (गाजीपुर) : परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद का शहादत दिवस शनिवार को यादगार बन गया। शहीद के पैतृक गांव धामूपुर में हर किसी ने पूरी अकीदत के साथ भारत माता के इस वीर सपूत को नमन किया।

शहीद पार्क में जश्न का माहौल था। सुबह से ही लोग जुटने लगे थे। हर कोई उत्साह व गर्व से लबरेज था। महिलाएं व बच्चे भी अपनी माटी के इस महान शहीद को श्रद्धांजलि देने में पीछे नहीं थे। इस पाक मौके को यादगार बनाने में फ्लैग ऑफ ऑनर फाउंडेशन की खास भूमिका थी। मेहमान थे आतंकवाद का दंश झेल चुके अखिल भारतीय आतंक-विरोधी मोर्चा के सदर मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा। जनाब जैसे ही समारोह स्थल पर पहुंचे कि 'वीर अब्दुल हमीद अमर रहे' का नारा गूंज उठा। वह पल भी काफी जज्बाती हो गया जब उनके स्वागत में आगे आयीं अमर शहीद की पत्नी रसूलन बीबी। श्री बिट्टा ने उनका पांव छुआ और साथ लेकर वीर अब्दुल हमीद की नव स्थापित भव्य प्रतिमा के पास पहुंचे। उन्होंने प्रतिमा का अनावरण किया।

गाजीपुर : धामूपुर में वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा को सलामी देते मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा। साथ में हैं अमर शहीद की पत्नी रसूलन बीबी। जागरण

■ शेष पृष्ठ 14 पर

यादगार बना शहादत...

इसके बाद माल्यार्पण कर उसके सामने दीप प्रज्ज्वलित किया। फिर मौजूद लोगों ने भी उनके साथ दो मिनट का मौन रखा और अमर शहीद को सैल्यूट किया। इस मौके पर बिट्टा ने भाषण की शुरुआत 'शहीद तेरी मौत से है चमन की जिन्दगी, तेरे लहू से जाग उठी वतन की जिन्दगी' पंक्ति से की। कहा कि वीर अब्दुल हमीद ने अपने जिस्म पर बम बांधकर दुश्मनों को सीमा से पीछे धकेल दिया था। उनकी यह कुर्बानी बेकार नहीं जायेगी। उनका नाम सदा ही सुनहरे अक्षरों में लिखा रहेगा। इसके बाद वह देश के मौजूदा हालात पर आ गये और कहा कि नेताओं के बड़े नाम होते हैं। उनकी बड़ी मूर्तियां लगती हैं और हम उन्हें सलाम भी करते हैं लेकिन अफसोस कि इन्हीं नेताओं की बिरादरी अपने स्वार्थों को साधने के लिए लाशों पर सियासत करने पर आमादा है। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाकुल्लाह खां देश को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी पर झूल गये थे, तब उन्हें इस बात का इल्म नहीं था कि उनका आजाद देश एक दिन फिर काले अंग्रेजों का गुलाम हो जायेगा। इससे पूर्व श्री बिट्टा को इंटर कालेज भुड़कुड़ा तथा मलिकपूरा के एनसीसी कैडेटों ने सलामी दी। इस दौरान नेहरु युवा केन्द्र की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह में पूर्व सांसद अफजाल अंसारी, विधायक विजय कुमार, सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर एमए अंसारी, रमेश यादव, ब्रजभूषण पाण्डेय, अनंत, डा.सिकानू राम आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में वीर अब्दुल हमीद के पौत्र जमील आलम ने धन्यवाद ज्ञापित किया।